B Ed. IInd year

Subject :- Knowledge Language & Curriculum

Topic :- पाठ्यक्रम विकास के प्रतिमान

1. रॉल्फ टायलर प्रतिमान

1949 ई० में रॉल्फ टायलर ने प्रसिद्ध तकनीकी वैज्ञानिक प्रतिमान को पाठ्यक्रम विकास हेतु प्रस्तुत किया। इसके निम्नलिखित चार सोपान हैं।-

(1) प्रयोजनो या उद्देश्यो का परिभाषीकरण
(2). प्रयोजनो सम्बन्धी शैक्षिक अनुभव
(3). प्रदत्त अनुभवो का संगठन
(4). प्रयोजनो का मूल्यांकन।

इन चार सोपानो का वर्णन रॉल्फ टायलर ने अपनी पुस्तक "पाठ्यक्रम तथा अनुदेशन के मूलभूत सिद्धान्त (Basic Principle of curriculm and Instruction 1949) मे किया है।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

2. उन्कह एवं उन्कह प्रतिमान

उन्कह एवं उन्कह ने 1974 में एक पंचपदीय प्रतिमान प्रस्तुत किया इसमें निहित पद या सोपान निम्नलिखित है।

1. लक्ष्य एवं उद्देश्य।
2. आवश्यकताओं का पता लगाना।
3. विषय-वस्तु।
4. क्रियान्वयन।
5. मूल्यांकन।

3. लेटन सोटो प्रतिमान

यह प्रतिमान रॉल्फ टायलर की रेखीय प्रकृति का परिष्कार करता है, और उद्देश्य के तीन मूल स्रोतों को अलग करता है। यह टायलर के कुछ उद्देश्य को हटाता है और कुछ को जोड़ता है, इसके तीन मूल तत्व - दर्शन, मनोविज्ञान और स्रोत तीन मूल प्रक्रिया - चयन, व्यवस्था और मूल्यांकन और तीन मूलभूत प्रत्यय - उद्देश्य, क्रिया और अनुभव है।

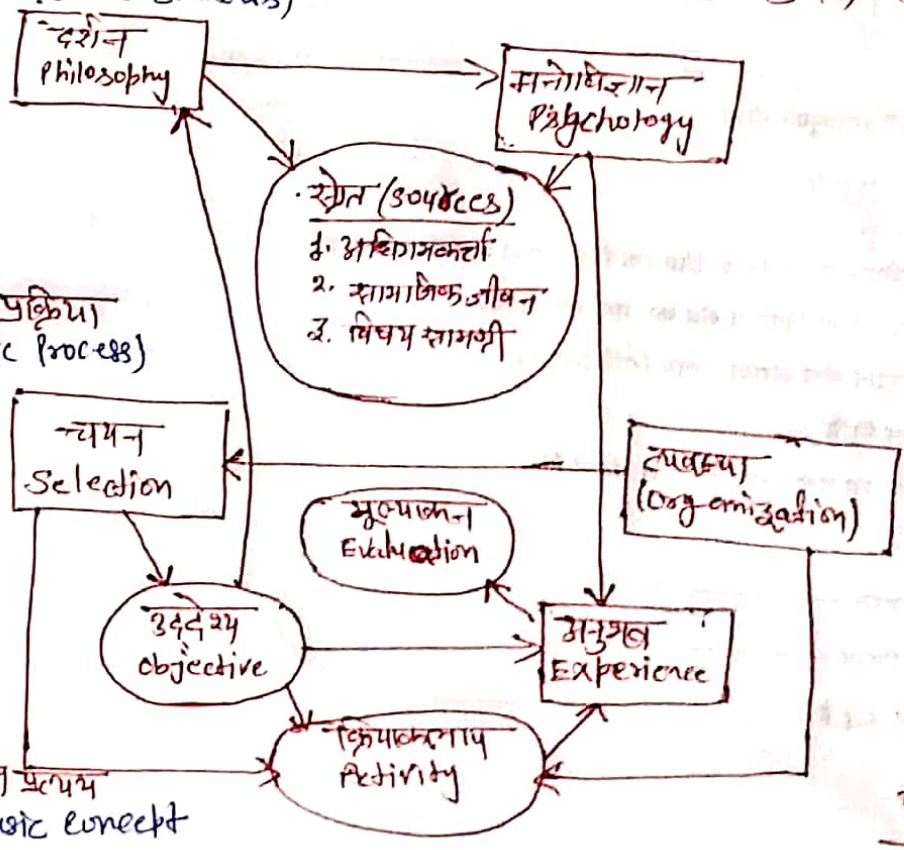

(1) मूल तत्व (Basic Elements)

Thank you

by
Mr. Parveen
Asst. Prof.